

नगालू ग्रहण

20 अप्रैल, 2023 को नगालू ग्रहण देखा गया था। यह एक दुर्लभ '[संकर सूर्य ग्रहण](#)' है, जो पृथ्वी सतह की वक्रता एवं वलयाकार सूर्य ग्रहण से पूर्ण सूर्य ग्रहण में परिवर्तन के कारण होता है।

- यह इससे पूर्व वर्ष 2013 में देखा गया था तथा अगली बार वर्ष 2031 में दिखाई देगा।

संकर सूर्य ग्रहण (Hybrid Solar Eclipse) से संबंधित प्रमुख बटु:

- ऑस्ट्रेलिया, तमोर-लेस्ते और इंडोनेशिया (पश्चिमि पापुआ एवं पापुआ) में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई दिया था।
 - वही दक्षिण-पूर्व एशिया, ईस्ट इंडीज़, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस और न्यूज़ीलैंड में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई दिया। यह भारत में नहीं देखा गया था।
- इसकी वशिष्टता ऐसी है कि इसे पहले से ही पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक हिस्से नगालू के रूप में नामित किया गया है, जहाँ से ग्रहण सबसे अधिक देखा गया था।
 - नगालू कर्षत्र को [यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल](#) के रूप में भी नामित किया गया है।

सूर्य ग्रहण:

- वषिय:
 - सूर्य ग्रहण एक प्राकृतिक घटना है जो तब होती है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से गुज़रता है, जिससे पृथ्वी की सतह पर एक छाया पड़ती है जिसके परिणामस्वरूप सूर्य अस्थायी रूप से ढक जाता है।
 - सूर्य ग्रहण की स्थिति में पृथ्वी पर चंद्रमा की दो परछायाँ बनती हैं जसि छाया (Umbra) तथा उपच्छाया (Penumbra) कहते हैं।
- सूर्य ग्रहण के प्रकार:
 - पूर्ण सूर्य ग्रहण (Total Solar Eclipse): पूर्ण सूर्य ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी, सूर्य तथा चंद्रमा एक सीधी रेखा में होते हैं, इसके कारण पृथ्वी के एक भाग पर पूरी तरह से अंधरा छा जाता है।
 - बेलीज़ बीड्स (Bailey's Beads) इफेक्ट, जसि डायमंड रिंग इफेक्ट के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी घटना है जो पूर्ण सूर्य ग्रहण या कुंडलाकार सूर्य ग्रहण के दौरान होती है।
 - वलयाकार सूर्य ग्रहण: यह तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है तथा इसका आकार छोटा दिखाई देता है। इस दौरान चंद्रमा, सूर्य को पूरी तरह से ढक नहीं पाता है और उसका केवल कुछ हिस्सा दिखाई देता है।
 - सूर्य इस तरह से ढका हुआ होता है कि सूर्य की वलय से केवल छोटा-सा वृत्ताकार प्रकाश का भाग दिखाई देता है। इस वलय को अग्नि वलय के नाम से जाना जाता है।
 - आंशिक ग्रहण: यह तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच से गुज़रता है लेकिन पूरी तरह से संरेखित नहीं होता है।
 - अतः सूर्य का केवल एक भाग ही ढका हुआ दिखाई देता है।
 - हाइब्रिड ग्रहण: हाइब्रिड सूर्य ग्रहण तब लगता है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से गुज़रते हुए सूर्य को पूरी तरह ढक लेता है, जसिसे चंद्रमा की छाया पृथ्वी पर पड़ती है तथा पृथ्वी के कई हिस्से पूरी तरह अंधकारमय हो जाते हैं।
 - इसका अर्थ है कि कुछ पर्यवेक्षकों को प्रतीत होता है कि चंद्रमा ने सूर्य को पूरी तरह से ढका हुआ है, जसिसे परिणामस्वरूप पूर्ण सूर्य ग्रहण होता है, जबकि अन्य के अनुसार, चंद्रमा केवल आंशिक रूप से सूर्य को ढकता है और इसके परिणामतः एक वलयाकार सूर्य ग्रहण देखने को मिलता है।

SOLAR ECLIPSE

Things to know about this astronomical event

TYPES OF SOLAR ECLIPSE



TOTAL

The Moon completely blocks off the Sun's rays and casts a shadow over the Earth



ANNULAR

The Moon covers the Sun fully but due to its relatively small size the outer ring of the Sun is completely visible from Earth. This is also known as the Ring of Fire



PARTIAL

The Moon covers a part of the Sun and casts only the outer part of its shadow, the penumbra, on Earth

HYBRID: A rare form of solar eclipse which changes from an annular to a total solar eclipse, and vice versa, along its path. During a Hybrid Solar Eclipse you could see any of the three forms of eclipses, depending on exactly where you stand

WHAT IS A SOLAR ECLIPSE?

During a Solar eclipse the Sun, Moon and Earth are in a straight line and the Moon comes between the Sun and Earth. This blocks the rays of the Sun from reaching the Earth causing a solar eclipse

FACT

A solar eclipse usually occurs around two weeks prior or after a lunar eclipse

Source: timeanddate.com, news reports

[स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स](https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ningaloo-eclipse)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ningaloo-eclipse>